Edition 1 Volume 3

SITARE

A multilingual magazine

Conceptualised by: Tanya
Edited by : Vrinda
Coordinator: Meenakshi

Celebrating National Wildlife week 2'October- 8'October

इस बार

कविता

1. सर्दियाँ
2. मैं हूँ पेड़
3. हाथी
4. शरारती बंदर
5. छोटा मोटा कछुआ

कहानियाँ

6. बैंगलोर की सैर
7. मेरी ताई
8. राहुल और हाथी

इस महीने की दिलचस्प झलकियाँ

कुछ मज़ेदार बाते

सर्दियाँ

कक्षा २,PS I, गुजर बस्ती

सर्दियों का मौसम आया
चारो तरफ कोहरा छाया
अम्मी नै चाय बनाई,

पापा ने जैकेट लाई
हमने मिलकर आग जलाई
सर्दी हो गई दूर
चलो बच्चो स्कूल

मैं हूँ पेड़

संद्धाम

मैं हूँ पेड़ मुझे मत काटो,
टुकड़ों - टुकड़ों में मुझे मत बाँटो,
दर्द मुझे भी होता है,
मन मेरा भी रोता है

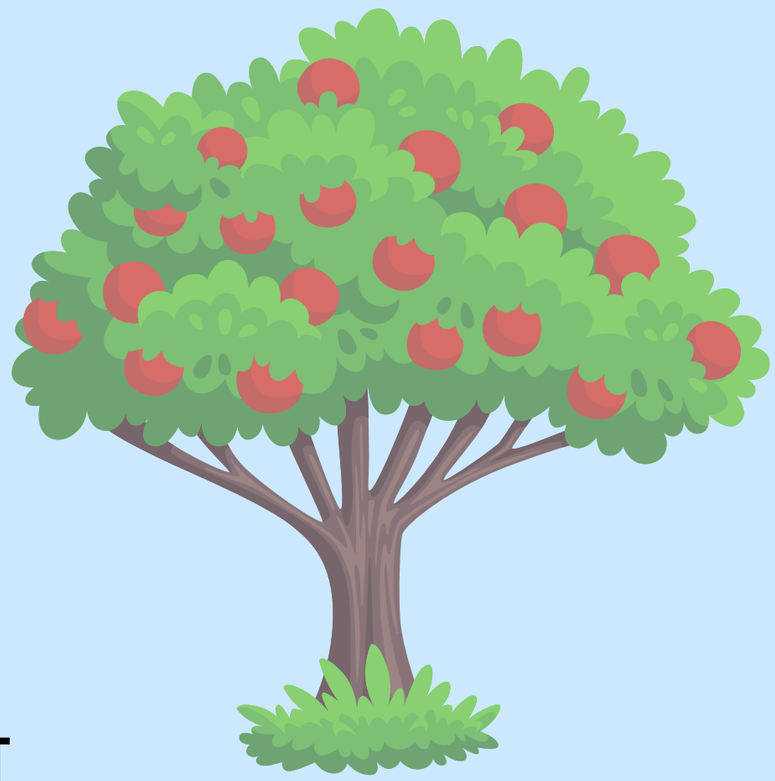

मैं तो सखा तुम्हारा हूँ
मित्र सबसे न्यारा हूँ
फल मैं ख़ुद नहीं खाता हूँ
सभी तुम्हें ही दे जाता हूँ
ज़हरीली गैस पी जाता
शुद्ध हवा तुम तक पहुँचाता

धरती का श्रृंघार करूँ मैं
सूरज का भी ताप सहू मैं
जीवन का मैं हूँ आधार
फिर भी तुम मुझपे करते प्रहार
सुनो बात तुम देकर कान
वृक्षों का तुम करो सम्मान

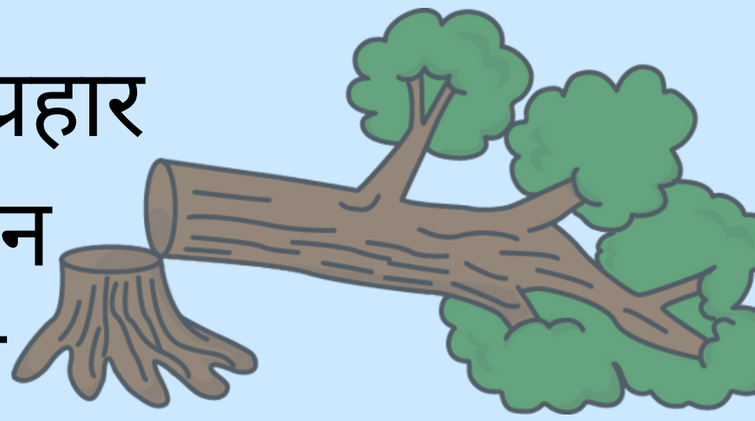

हाथी

कक्षा 1, PS I, गुजर बस्ती

चार हाथी रो रहे
रोते रोते सो गए
उनके बच्चे खो गए
चार हाथी रो रहे।

शरारती बंदर

-कक्षा २,PS II, गुजर बस्ती

बंदर आया तड़ तड़ तड़
रोटी खींच चड़ा पेड़ पर

डाली टूटी कड़ कड़ कड़
गिर गया बंदर धड़ धड़ धड़

छोटा मोटा कछुआ

कक्षा 4, PS चमरिया

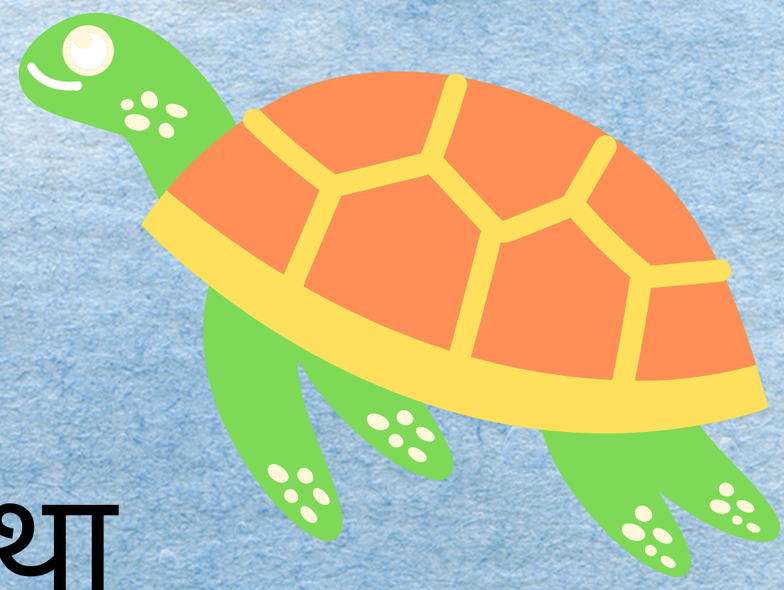

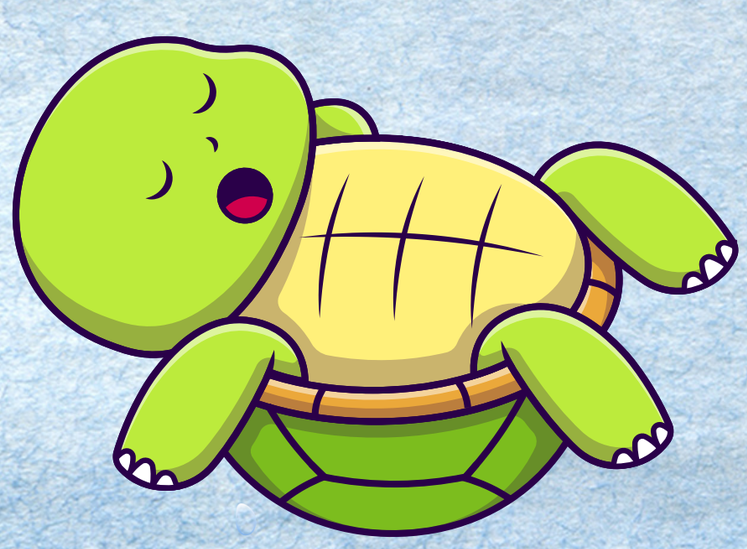

एक कछुआ छोटा था
वो बहुत मोटा था

उसके पेर छोटे थे
धीरे धीरे चलते थे।

बैंगलोर की सैर

-इशिका, कक्षा 4,PS-चमरिया

मैं जब बैंगलोर गई थी तो वहाँ मुझे बहुत मज़ा आया मैंने वहाँ बहुत बड़ी-बड़ी बिल्डिंग देखी, ऐसे घर पहले कभी नहीं देखे थे । मैं अपने फूफाजी, पापा और बुआजी के साथ वहाँ गई क्योंकि मेरे फूफाजी वहाँ नौकरी करते है ।

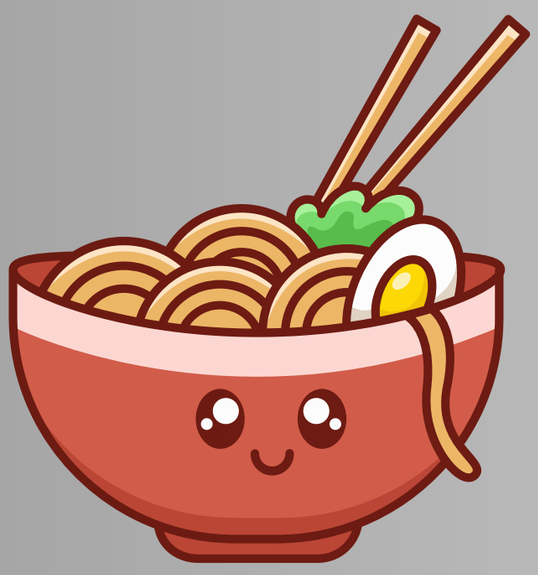

उन्होंने हमे वहाँ की चाऊमीन खिलाई जो हमारे लालढंग से अलग थी। मैंने वहाँ बहुत से अलग अलग तरह के लोग देखे। वह रात में सोते कम और घूमते ज़्यादा थे।

और मैं पहली बार जहाज़ में बैठी थी, जब मैंने बाहर खिड़की से देखा तो मैं एकदम से डर गई ।

मेरी ताई

-कृष्णा, कक्षा २, PS- चमरियाँ

मुझे पहाड़ जाना बहुत अच्छा लगता है ।
पहाड़ में मेरी ताई रहती है,
वह मुझे बहुत प्यार करती हैं।

वहाँ जब मैं पिछली बार गया तो मेरी ताई ने मेरे
लिए पकौड़ियाँ बनाई
जो खाने में बहुत तीखी थी ।
फिर मैंने चीनी खाई
तो मुझे मीठा मीठा लगा और बड़ा मज़ा आया ।

राहुल और हाथी

अख़लद, कक्षा 6, PSII, गुजर बस्ती

राहुल स्कूल जा रहा था। रास्ते में उसने देखा की बड़ा सा हाथी सामने से आ रहा था। जिसे देखते ही राहुल ने कहा “अरे मुझे तो डर लग रहा है। स्कूल भी जाना है, हाथी रास्ते में है, डर लग रहा है और अगर देर हो गई तो गुरुजी भी खूब डाँटेंगे ।”

बहुत से लोगो की मदद लेने पर भी राहुल का रास्ता साफ़ नहीं हुआ क्योंकि वह हाथी अभी भी वही था। फिर राहुल डर से घर वापस चला गया। दूसरे दिन स्कूल जाने के लिए उसी रास्ते से फिर से वह निकलने लगा पर हाथी अभी वही था। राहुल फिर से डर गया।

अब आप सोचिए कि राहुल क्या करेगा ?

कुछ मज़ेदार बाते

डॉल्फ़िन एक आँख खोलकर सोती हैं।

एक चींटी अपने वजन से 20 गुना अधिक वजन लेकर चल सकती है।

Snail लगातार तीन वर्ष तक सो सकते है ।

इस महीने की दिलचस्प झलकियाँ

इस बार World Wildlife Week अपने आस पास के वन्य जीवों के बारे में जानकारी लेकर, उनके चित्र, पोस्टर व मास्क बनाकर मनाया गया।

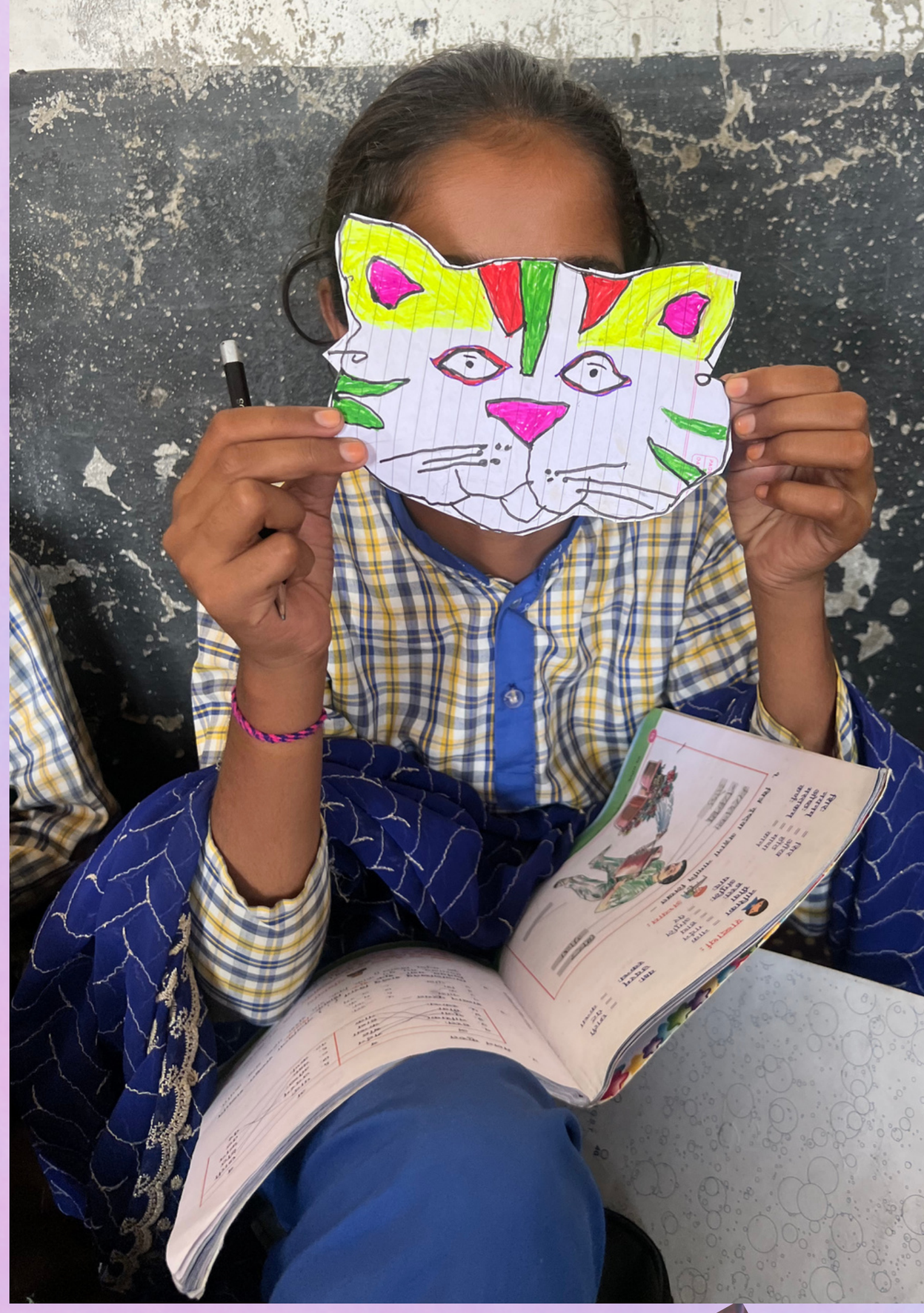

Assembly की शुरुआत

राज्य के प्रतीक
कक्षा-1,2

बाघ
जयते
मोर

PTM में आए माता पिता

राष्ट्र गान
जन-गण-मन अधिनायक जय हे
भारत-भाग्य-विधाता।
पंजाब सिंध गुजरात मराठा।
द्राविड़ उत्कल बंग।
विंध्य हिमाचल यमुना गंगा,

हमारी तान्या दीदी को ‘नारी शक्ति वंदन' award मिला। ये अवार्ड उनको रेखा आर्य जी ने दिया,जो हमारे राज्य की महिला एवं बाल विकास की मंत्री है।

Click to take a step with us

https://rzp.io/l/mtRuxy5T5

To know more click below:

Samanta Facebook LinkedIn Twitter Instagram